७००० में प्रमाने के अपना मार्ग में मार्ग में LRZTP 9 Module 3— Lesson 19, Reading Comprehension Key, October 2023

र्भे वाऱ्राञ्चेषावयाविदार्ते कान्कुनाव्यारायेन्या

याट ध्रेव : बेर व : क्षं या बर हो तथ ग्राच व व र्षे द : रेट्।

दे र्विट वीय में वायर दें का क्ट या न मुन कर पर से प्राय

८ तिर्मित्रात्मार्थिन् प्रति वी में किंगा में मुन् स्वापन मेन्।

त्रविष्ठाताः भूतः प्रतिः क्षे र्दे क्ष्यः क्षः व्याव्या व्यवसः वीः वें कः क्षेताः शववः मीटः मीटः सेटा

५ र्वे व्यव्यव्यक्ति माञ्चीयाव्यक्त यो देखा देखा स्त्रीय

बट्यार्ब्स्यार्थः वार्ष्याः द्रात्त्रं कः क्वायाः वार्ष्यावाः वार्ष्यावाः वार्ष्यावाः वार्ष्यावाः वार्ष्यावाः

८ र्गुःश्वयाचेरःधयाःवीः द्वः द्याःवाः रे रेट्।

्रम् , श्रुण , चेर , व , वे , व , द्यां दे , द्यां द , द्या , यो , वि , व्या , चेरा , द्र्या , व्या , व्या , व ऍट्रप्रेस् हुष्रयाया ने राष्ट्री ऍट्र रेट्र

٩١ مهرامايومي المعرور درماي معرور مايع المعروب المعروب

अर्केट्र गर्ने अरगु क्षिट्र त्या भेट्र में ग्रान्ट्र वि वर्षा के में ग्रान्ट्र पें करण अर्केट्र के त्या श्र्वायायास्यामु रेत्।

५) वॅद्रायि प्रमृद्र श्रॅंथ देव देव देव प्रापा रे देव

देवे देव दवा वा रे रेट जेर वा के वाबर भ्रवसाय यस गावासर पासर हो हो है से रिंट रहर क्षे ळॅबाबॅ वाबर अप्रेट् थवा वाबर प्रेट् चेर विच पारेट्।

(१) बॅंग्वाबर केंबा दा वा केंद्र वा दर्खवा दाईवा वा की सेता

१० र्भु विवाय क्रिया कुष्य व्यवाय ग्रीय र्वेट् प्रति विवाय सम्प्रत्य व्यवाय या ते या ते हीट् ग्री विद्या केट्

म्ब्रुट्यं प्रें प्रें